Title : Request to include Sarna (a faith followed by Adivasis) in the religion column in the census

श्री सुखदेव भगत **(**लोहरदगा**) :** सभापति महोदया जी, यह अत्यंत संवेदनशील और आदिवासी अस्मिता का प्रश्न है।

महोदया, भारत में करोड़ों आदिवासी निवास करते हैं, जिनकी धार्मिक परम्परा, पहचान, आस्था और उनके मौलिक अधिकारों का सरकार द्वारा हनन किया जा रहा है। क्योंकि जनगणना कॉलम में, जैसे अन्य धर्मों के लिए कॉलम दिया गया है, आदिवासी जो कि प्रकृति के पुजारी होते हैं, उनकी धार्मिक आस्था और परम्परा के लिए कोई स्थान नहीं दिया गया है। एक तरफ तो सरकार जंगली जानवरों की, बाघ और शेरों की गिनती करती है, लेकिन आदिवासियों की धार्मिक पहचान, जो कि प्रकृति के पुजारी हैं, उनकी गणना नहीं करती है। इससे ज्यादा विडंबना क्या हो सकती है? इसलिए आपके माध्यम से देश की सर्वोच्च पंचायत से निवेदन करता हूं कि आदिवासियों की पहचान, उनकी धार्मिक अस्मिता की रक्षार्थ जनगणना कॉलम में सरना धर्म को अंकित किया जाए। मैं पहली बार झारखंड के लोहरदगा से निर्वाचित होकर आया हूं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आसन का आभार प्रकट करना चाहता हूं।